Nai Dunia (Indore), 31st July 2022, Page-09

गुणवत्ता पर जोर पहले आगर-मालवा, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम व मंदसौर के शिक्षकों को प्रशिक्षण

सरकारी शिक्षकों को पढ़ाना सिखाएगा आइआइटी इंदौर

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आइआइटी के प्रोफेसर विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी की छोटी-छोटी क्रियाओं को सिखाएंगे, ताकि वे बच्चों को आसानी से समझा सकें। इसके लिए दैनिक जीवन में होने वाली वैज्ञानिक क्रियाओं को उदाहरण के तौर पर लिया जाएगा। सरकारी स्कूल के शिक्षकों को आसानी से सिखाने के लिए आइआइटी इंदौर के विशेषज्ञों ने सेंटर फार क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) के तहत शिक्षकों के लिए स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग व गणित) कोर्स तैयार किया है। पांच से सात अगस्त तक स्टीम के लिए चयनित सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत आइआइटी इंदौर द्वारा सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय के लिए दिया जा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। पहले चरण में आगर-मालवा, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम व मंदसौर जिले के 150 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद अन्य जिलों के शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वैज्ञानिक पद्धति से समझाएंगे

आइआइटी के प्रोफेसर वैज्ञानिक पद्धति से समझाएंगे। इसमें भूमंडलीय ऊष्मीकरण और हरित ऊर्जा, गणितीय समीकरणों का महत्व, त्रिभुज, सर्कल, चतुर्भुज बनाकर रेखागणित की बारीकियां और सूत्रों का रेखांकन आदि की जानकारी दी जाएगी। वेबलाइन (लहरों) के माध्यम से त्रिकोणमिति के साथ भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

यह भी जानें

- शिक्षकों को प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा
- शिक्षकों को विज्ञान एवं गणित विषयों की सैद्धांतिक समझ बढ़ाने का है उद्देश्य
- यह प्रशिक्षण आनलाइन दिया जाएगा
- कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5.10 बजे तक होगा
- शिक्षकों को कक्षा छठी से आठवीं की विज्ञान एवं गणित की पाठ्यपुस्तकें लेकर शामिल होना पड़ेगा

आइआइटी के प्रोफेसर द्वारा स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है, ताकि वे बच्चों को आसानी से समझा सकें।

– धनराजू एस,
संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र

अगर विज्ञान के साथ दैनिक जीवन को जोड़कर समझेंगे या समझाएंगे तो वह बहुत आसानी से समझ पाएंगे। छोटी-छोटी क्रियाओं से गणित व विज्ञान को आसानी से बच्चों को समझा सकते हैं।

– मेधा वाजपेयी,
विज्ञान संचारिका, मप्र